दीदियों ने स्वच्छता का लिया संकल्प

दुलारी हेम्ब्रम
प्रखंड : मलसिया
जिला : दुमका

दुमका जिले के मसलिया प्रखंड के मसानजोर कलस्टर स्थित खूटोजोरी पंचायत के रंगाटांड़ गांव में स्वच्छता अभियान चलाया गया. इसका आयोजन गांव के तुलसी आजीविका महिला ग्राम संगठन की दीदियों द्वारा किया गया. दो अक्तूबर को मिशन अंत्योदय ग्राम समृद्धि स्वच्छता पखवाड़ा एवं ग्रामसभा की ओर से रैली निकाली गयी, जिसमें ग्राम संगठन से जुड़े स्वयं सहायता समूह की दीदियां शामिल हुईं. इस दौरान सभी दीदियों ने पूरे गांव में साफ-सफाई का अभियान चलाया. इस क्रम में जहां पर कचरों का अंबार था, उसकी साफ-सफाई की गयी, वहीं जिन जगहों पर गड्ढे बने हुए थे, उन जगहों में मिट्टी भर कर उसे समतल किया गया. आजीविका समूह की दीदियों ने प्रभातफेरी के साथ-साथ स्वच्छता अभियान जागरूकता रैली निकाली. पूरे गांव में रैली के माध्यम से दीदियों ने साफ-सफाई के गुर सिखाये. दीदियों ने बताया कि अपने घर और आस-पास हमेशा साफ रखना चाहिए. ग्रामीणों को पानी उबाल कर पीने की सलाह दी गयी, साथ ही साफ कपड़ा पहनने, रोज नहाने और मच्छरदानी के इस्तेमाल करने की जानकारी दी गयी. दीदियों ने ग्रामीणों को बच्चों के टीकाकरण सही समय पर कराने की भी सलाह दी और सिर्फ अस्पताल में ही प्रसव कराने के लिए कहा. ग्रामीणों को खुले में शौच करने की बजाय शौचालय का उपयोग करने को कहा गया. उन्हें हमेशा साबुन से हाथ धोने की सलाह दी गयी. कार्यक्रम के अंत में तुलसी आजीविका महिला ग्राम संगठन की दीदियों ने स्वच्छता का संकल्प लिया. ❑

तुलसी आजीविका महिला ग्राम संगठन की दीदियों ने प्रभातफेरी सह स्वच्छता अभियान रैली निकाली.

स्वच्छता अभियान से जागरूक हो रही हैं महिलाएं

मुनिया देवी
प्रखंड : डुमरी
जिला : गिरिडीह

गिरिडीह जिले के डुमरी प्रखंड अंतर्गत मध्य गोपाली और टेंगरा खुर्द पंचायत के डुमरखुच्चो, आसुरबाण सहित कई गांवों में स्वच्छता पखवाड़ा अभियान चलाया गया. स्वच्छता अभियान में सखी मंडल की दीदियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही. स्कूल और पंचायत सचिवालय परिसर से स्वच्छता अभियान की शुरुआत की गयी. वहां से निकल कर वे गांवों में गयीं और गांव के हर एक गली-मुहल्ले से कूड़े-कचरे को साफ किया. फिर उन कूड़े-कचरे को एक जगह जमा कर उसे जला दिया गया. सखी मंडल की दीदियां स्कूल भी गयीं और वहां साफ-सफाई करने के बाद स्कूली बच्चों के लिए खाना भी बनाया. इस दौरान स्कूल में बैठक की गयी. बैठक में सखी मंडल की दीदियां और मुखिया शामिल हुए. मुखिया जगदीश महतो ने कहा कि स्वच्छता हमारे जीवन के लिए काफी अहम है. हम सभी स्वच्छ रहेंगे, तभी स्वच्छ भारत का सपना साकार हो पायेगा. मुखिया ने सखी मंडल की दीदियों को धन्यवाद देते हुए कहा कि अभियान में दीदियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है. स्वच्छता अभियान चला कर ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया. मुखिया ने कहा कि सखी मंडलों से जुड़ कर गांव की महिलाएं बेहतर कार्य कर रही हैं, यह गर्व की बात है. मध्य गोपाली और टेंगरा खुर्द पंचायतों में सखी मंडल की महिलाओं ने स्वच्छता अभियान का बीड़ा उठाया है. सखी मंडल की अध्यक्ष गुड़िया देवी ने कहा कि सखी मंडल से जुड़ कर ग्रामीण महिलाएं आत्मनिर्भर हो रही हैं. महिलाएं अब साफ-सफाई के महत्व को समझने लगी हैं. कल तक जो महिलाएं घर के अंदर ही कार्य करने में व्यस्त रहती थीं, वो आज स्वच्छता अभियान से जुड़ कर जागरूक हो रही हैं और अन्य लोगों को भी जागरूक कर रही हैं. इसका पूरा श्रेय आजीविका मिशन को जाता है. सुमित्रा देवी ने कहा कि स्वच्छ भारत का सपना तभी पूरा हो सकता है, जब हम साफ-सफाई को अपनी दिनचर्या में शामिल कर लेंगे. ❑

स्वच्छता अभियान के तहत स्कूल परिसर में साफ-सफाई करतीं सखी मंडल की दीदियां.

शौचालय की नींव पड़ते ही दिव्यांग गुंजर देवी के खिले चेहरे

रूबी खातून
प्रखंड : अनगड़ा
जिला : रांची

स्वच्छ भारत मिशन, ग्रामीण की ओर से राजधानी रांची के अनगड़ा प्रखंड अंतर्गत मशनया गांव में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस अवसर पर राज्य की मुख्य सचिव राजबाला वर्मा मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित थीं. मुख्य सचिव ने उपस्थित लोगों को स्वच्छता की जानकारी देते हुए हर जगह साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने की अपील की. कार्यक्रम में महेशपुर आजीविका ग्राम संगठन की अध्यक्ष सुषमा देवी और सचिव को शौचालय बनाने के लिए मुख्य सचिव राजबाला वर्मा और विधायक रामकुमार पाहन की ओर से चार लाख आठ हजार रुपये का चेक सौंपा गया. इसके बाद मां पार्वती सखी मंडल की सदस्य गुंजर देवी के आंगन में शौचालय बनाने के लिए मुख्य सचिव राजबाला वर्मा और विधायक रामकुमार पाहन ने नींव रखी. बता दें कि गुंजर देवी दिव्यांग हैं. अपने आंगन में शौचालय की नींव रखे जाने से बेहद खुश गुंजर देवी ने कहा कि एक साल पहले वो सखी मंडल से जुड़ीं. सखी मंडल से अब तक अपने निजी खर्चों के लिए पांच हजार तक का लोन भी ले चुकी हैं. गुंजर देवी ने शौचालय बनने की प्रक्रिया शुरू होने पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि दिव्यांग होने के कारण उसे शौच के लिए बाहर जाने में काफी परेशानी होती थी, पर अब समस्या का समाधान हो गया है. कार्यक्रम के दौरान महेशपुर, सिरका बेड़वाड़ी और राजाडेरा गांवों के जलसहियाओं के बीच ड्रेस का वितरण करते हुए उनके कार्यों को सराहा गया. इस दौरान आंगनबाड़ी की दीदियों के बीच टब का वितरण किया गया. महेशपुर आजीविका महिला संगठन की अध्यक्ष सुषमा देवी ने बताया कि सरकार के प्रतिनिधि उनके क्षेत्र में आये हैं. उन्होंने जो संदेश दिया है, उसका ईमानदारी से पालन करना हम सभी की जिम्मेवारी है. साफ-सफाई समेत अपने क्षेत्र के हर घर में शौचालय हो, इस पर विशेष ध्यान देने की अपील लोगों से की गयी है. कार्यक्रम में अनगड़ा प्रखंड के बीपीएम, चारों कलस्टर के पीआरपी, सीसी, सेतू दीदी और सखी मंडल की दीदियां शामिल हुईं. ❑

स्वच्छ भारत मिशन के तहत आयोजित कार्यक्रम में मुख्य सचिव, रांची डीसी, विधायक व अन्य.

आजीविका के जरिये फूलमनी के जीवन में आयी खुशहाली

सुषमा देवी
प्रखंड : कांके
जिला : रांची

रांची जिले के कांके प्रखंड अंतर्गत मालश्रृंग पंचायत का एक गांव है श्रृंगो. कांके प्रखंड मुख्यालय से लगभग आठ किलोमीटर दूर इस गांव की फूलमनी देवी महिला संगठन से जुड़ कर आज अपने परिवार को गरीबी से बाहर निकालने का प्रयास कर रही हैं. फूलमनी देवी आजीविका महिला मंडल के माध्यम से अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही हैं. श्रृंगो गांव में चार जनवरी 2016 से जेएसएलपीएस के द्वारा स्वयं सहायता समूह का संचालन किया जा रहा है. फूलमनी देवी एक गरीब किसान परिवार से हैं. इनके परिवार में पति के अलावा तीन बेटे, एक बेटी, सास, ससुर, दो देवर एवं दो ननद समेत 12 सदस्य हैं. इस परिवार के पास मात्र 15 डिसमिल जमीन है. पूरा परिवार कृषि पर आधारित है, जिसके कारण परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है. फूलमनी अपना परिवार चलाने के लिए खेती-बारी के साथ-साथ मजदूरी भी करती थी. पूरा परिवार उन्हीं पर आश्रित होने के कारण पारिवारिक जीवन से फूलमनी काफी दुखी थी. पानी को छोड़कर आवश्यकता की सारी चीजें खरीदनी पड़ती थी, जिसके कारण परिवार का भरण-पोषण भी सही तरीके से नहीं हो पा रहा था. इन हालातों में फूलमनी को जेएसएलपीएस का सहारा मिला. श्रृंगो में महिला समूह का गठन होने के बाद फूमलमनी उस समूह से जुड़ीं. इस समूह का नाम सरइफूल महिला समूह ऊपर टोला रखा गया. समूह से जुड़ने के बाद फूलमनी ने समूह से पांच हजार, तीन हजार और दस हजार रुपये का लोन लिया. इसे चुकाने के बाद फूलमनी ने दो महीने पहले 19 अगस्त को श्रृंगो आजीविका महिला ग्राम संगठन से 80 हजार रुपये का लोन लिया. अपने सगे-संबंधियों से 70 हजार रुपये उधार लेकर मालश्रृंग के केनरा बैंक की शाखा में डेढ़ लाख रुपये जमा कर एक ट्रैक्टर फाइनांस कराया. फूलमनी कहती हैं कि ट्रैक्टर की कुल लागत नौ लाख रुपये है और उसे पांच वर्षों तक प्रति माह बैंक में 14 हजार रुपये जमा करना है. बैंक के निर्देशानुसार वो पैसे भी चुका रही हैं. जेएसएलपीएस के माध्यम से महिला समूह से जुड़ कर अपने जीवन को बेहतर बना रही हैं. ❑

अपने ट्रैक्टर के साथ सरइफूल महिला समूह ऊपर टोला, श्रृंगो की दीदी फूलमनी देवी.

अवैध शराब के खिलाफ गोलबंद हुईं दीदियां

सुनीता देवी
प्रखंड : कांके
जिला : रांची

शराब एक सामाजिक बुराई है और इसे जड़ से खत्म करना है. शराब के कारण कई घर बर्बाद हो चुके हैं. बच्चे अनाथ हो रहे हैं. इससे महिलाओं को ज्यादा परेशानी हो रही है. इस बुराई को समाज से मिटाने के लिए अब सखी मंडल की दीदियां खुल कर सामने आ रही हैं. इसी कड़ी में रांची के कांके प्रखंड स्थित हूंदूर पंचायत के दो गांवों के ग्राम संगठन की महिलाओं ने मिल कर नशा मुक्ति अभियान चलाया. हूंदूर पंचायत अंतर्गत आठ गांव आते हैं. इन आठ गांवों में दीदियों ने नशामुक्ति अभियान चलाया और रैली निकाली. इस दौरान जन-जन का नारा है, शराब को दूर भगाना है, के नारे भी लगाये गये. नारा लगाते हुए दीदियां गांव की हर गली में गयीं. शराबबंदी के इस अभियान से सिद्दी आजीविका महिला ग्राम संगठन की महिलाएं काफी खुश हुईं और आगे आकर हूंदूर के महिला संगठनों का साथ दिया. नशा मुक्ति अभियान में हूंदूर पंचायत की मुखिया, सरपंच, वार्ड सदस्य और जिला परिषद के सदस्य भी शामिल हुए. इस दौरान दीदियां गांव की सभी दुकानों में भी गयीं और महुआ नहीं बेचने की हिदायत दी. लगभग तीन सौ दीदियां इस अभियान में शामिल हुईं, जिससे डर कर शराब बेचने वाली महिलाएं और पुरुषों ने शराब को खेतों में छिपा दिया. दीदियों ने शराब को कोई नुकसान नहीं पहुंचाया, पर शराब बेचनेवालों को एक सप्ताह का समय देते हुए कहा कि अगर एक सप्ताह के बाद शराब बेचते पाये जायेंगे, तो दस हजार रुपये का जुर्माना लगेगा और कानूनी कार्रवाई भी की जायेगी. नशा मुक्ति अभियान में हूंदूर आजीविका महिला संगठन और सिद्दी आजीविका महिला संगठन की अहम भूमिका रही. ❑

शराबबंदी को लेकर सखी मंडल की दीदियों ने निकाली जागरूकता रैली.

सखी मंडल से जुड़ी महिलाओं को मिला प्रशिक्षण

सुशीला देवी
प्रखंड : तांतनगर
जिला : प.सिंहभूम

पश्चिमी सिंहभूम जिले के तांतनगर प्रखंड अंतर्गत अंगरडीहा कलस्टर के तुइबाना ग्राम संगठन की महिलाओं को एम-1 से एम-3 का प्रशिक्षण दिया गया. तीन दिवसीय इस प्रशिक्षण शिविर में इन्हें विभिन्न कार्यों की जानकारी दी गयी. प्रशिक्षण प्राप्त कर सखी मंडल की दीदियों ने कहा कि ग्राम संगठन का काम पहले से कर रही है, लेकिन कार्यों की स्पष्ट जानकारी नहीं होने के कारण काफी परेशानी होती थी. अब प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद ग्राम संगठन के एजेंडे को और आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभायेंगी. गांव में पूर्णरूपेण शराबबंदी करने, जुआ खेलने व बाल विवाह पर रोक लगाने, डायन प्रथा के खिलाफ ग्रामीणों को जागरूक करने और गांवों में साफ-सफाई पर जोर देने जैसे सामाजिक कार्यों में दीदियां बढ़-चढ़ कर शामिल होंगी. दीदियों ने कहा कि ग्राम संगठन के द्वारा असहाय वृद्धों को चावल और सौ रुपया देकर आर्थिक मदद भी दिया जायेगा. इसके अलावा आंगनबाड़ी केंद्रों में गर्भवती महिलाओं को सुविधाएं मिल रही हैं या नहीं, स्कूली बच्चों को मिड डे मिल में मेन्यू के हिसाब से खाना मिल रहा है या नहीं, अंडा, फल और सब्जियां मिल रही हैं नहीं एवं जन वितरण प्रणाली की दुकानों की समय-समय पर जांच भी दीदियां करेंगी. सभी दीदियों ने कहा कि ग्राम संगठन से बड़ा लोन लेकर बकरी पालन, सूकर पालन, राशन दुकान खोलने और आजीविका को बढ़ाने का काम करेंगी, ताकि खुद को और अपने परिवार को गरीबी से बाहर निकाल कर स्वावलंबी बन सकें. ❑

तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में शामिल हुईं तुइबाना ग्राम संगठन की दीदियां.

ग्रामीणों को रैबीज से बचाव की मिली जानकारी

सुचिता देवी
प्रखंड : कांके
जिला : रांची

रांची के कांके प्रखंड अंतर्गत चुट्टू गांव के पंचायत भवन में ग्रामीणों को रैबीज से बचाव की जानकारी दी गयी. मौके पर पंचायत भवन में ग्राम संगठन के सभी सदस्य, सीसी आदित्य कुमार, पंचायत सेवक एवं प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक और छात्र समेत गांव के लोग शामिल हुए. जोहार प्रोजेक्ट के अंबिका प्रसाद, एफटीसी राजेश प्रसाद सिंह तथा मिशन रैबीज के प्रवीण वोहल ने मौके पर मौजूद लोगों को रैबीज से बचाव की जानकारी दी. उन्होंने बताया कि रैबीज एक निर्जीव वायरस है, जो मनुष्य और गर्म खूनवाले जानवरों को नुकसान पहुंचाता है. स्तनपायी जानवर कुत्ता, गाय, चमगादड़, बंदर इत्यादि जानवरों को रैबीज हो सकता है. इंसानों में रैबीज का संचार रेबीज संक्रमित कुत्तों के काटने से होता है. प्रवीण वोहल ने बताया कि साल 2014 में झारखंड में कुत्तों के काटने से 45 लोगों की मौत हुई थी, जिनमें से तीन लोग रांची के थे. इन सभी के शरीर में कुत्ते के काटने के बाद रैबीज का वायरस फैल गया था. मानव और कुत्तों को रैबीज कैसे होता है, इस बात की जानकारी देते हुए प्रवीण वोहल ने बताया कि कुत्तों के काटने से, लार से और खरोंचने से रैबीज होता है. अगर आपको लगता है कि कुत्ते को रैबीज हुआ है, तो तुरंत पशु चिकित्सक के पास ले जाना चाहिए. ग्रामीणों को बताया गया कि अगर कुत्ता उग्र होकर दूसरे कुत्ते को काटता है, तो रैबीज का वायरस दूसरे कुत्ते में भी प्रवेश कर जाता है. रैबीज का वायरस ब्रेन तक पहुंचता है और फिर वायरस लार में मिल जाता है, इससे कुत्ता अस्वस्थ और संक्रमित हो जाता है. रैबीज के शिकार कुत्ते को भी जल्द अस्पताल ले जाया जाना चाहिए. ग्रामीणों को यह भी बताया गया कि अगर आपके आस-पास किसी को कुत्ता काटता है, तो आप उसकी मदद अवश्य करें. घायल को 24 घंटे के अंदर डॉक्टर के पास ले जायें. खुले में घूमते हुए कुत्तों से बचने के लिए रद्दी और कूड़े-कचरे को अपने आस-पास नहीं फेंके. जो लोग कुत्ता पालन करते हैं, वो साल में एक बार अपने कुत्तों को रैबीज का टीका अवश्य लगवायें. ❑

रैबीज से बचाव से संबंधित कार्यशाला में उपस्थित छात्राएं व अन्य.

बीडीओ ने की समीक्षा बैठक, दिये निर्देश

शबनम खातून
प्रखंड : बरवाडीह
जिला : लातेहार

लातेहार जिले के बरवाडीह प्रखंड के कौशल भवन में विभिन्न योजनाओं को अमलीजामा पहनाने के उद्देश्य से बीडीओ दिनेश कुमार की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गयी. इसमें बरवाडीह प्रखंड के सभी पंचायतों के मुखिया, पंचायत सेवक, रोजगार सेवक, स्वयंसेवक और सखी मडंल की दीदियां शामिल हुईं. बीडीओ ने प्रखंड द्वारा संचालित मनरेगा योजना और प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा की. इस दौरान सभी पंचायतों के मुखिया और स्वयंसेवकों को पंचायतों में चल रहे प्रधानमंत्री आवास योजना को समयसीमा के अंदर पूरा करने का निर्देश दिया. मौके पर बीडीओ ने जेएसएलपीएस के सखी मंडल और ग्राम संगठन की दीदियों को पटरा सेंटरिंग का काम शुरू करने को कहा गया. उन्होंने इस काम को करनेवाली महिलाओं को हर सेंटरिंग पर पांच हजार रुपये देने की बातें कही. प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 30 अक्तूबर तक 1500 घरों के निर्माण का लक्ष्य निर्धारित किया गया. इस काम के लिए सखी मंडल की दीदियों का सहयोग लेने की भी बातें कही गयी. मौके पर बरवाडीह प्रखंड के बीपीएम प्रवीण कुमार ने कहा कि लक्ष्य को पूरा करने में उनका पूरा सहयोग रहेगा और जो निर्देश दिये गये हैं, उनका सही तरीके से पालन कराया जायेगा. बैठक में राजकिशोर सिंह, बीपीओ विजय राणा, सीसी रेणु देवी, ग्राम संगठन की प्रतिनिधि सुनीता देवी एवं समीरा देवी समेत कई महिलाएं शामिल हुईं. ❑

योजनाओं की समीक्षा बैठक में प्रखंड स्तरीय अधिकारियों के साथ शामिल होतीं सखी मंडल की दीदियां व अन्य.